आइआइएम के 13वें दीक्षा समारोह के खास पलों को मोबाइल में कैद करते रहे स्वजन

भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) रायपुर ने अपना 13वां वार्षिक दीक्षा समारोह मनाया। समारोह संस्थान के कैंपस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों के साथ उनके स्वजन, मित्र और उनके रिश्तेदार मौजूद रहे, जिनके सामने 22 छात्र आउटबाउंड ग्रेजुएट, 298 पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम ग्रेजुएट, 184 ई-पीजीपी ग्रेजुएट और 11 फेलो और एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स ने डिग्री और मेडल प्राप्त किए। इस दौरान हर कोई इस खास पलों को मोबाइल में कैद करते हुए नजर आया। कार्यक्रम में उन छात्रों को भी शामिल किया था, जिन्होंने 2018-20 और 2019-21 बैच से डिग्री आनलाइन प्राप्त की थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. रेडीज लेबोरेटरीज के सह अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जीवी प्रसाद थे। इसके अलावा डालमिया भारत लिमिटेड के अध्यक्ष पुनीत डालमिया शामिल हुए। कार्यक्रम में आइआइएम निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

आइआइएम के दीक्षा समारोह में मेडल और डिग्रियां मिलने के बाद खुशी से उछलते छात्र-छात्राएं। • नईदुनिया

समाज में सार्थक योगदान दें

डा. रेडीज लेबोरेटरीज के सह अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जीवी प्रसाद ने कहा कि दुनिया संभावना और वादे से भरी है। उन्होंने सलाह दी कि वे चुनौतियों का सामना करें और समाज में सार्थक योगदान दें। सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली पहल में सक्रिय भाग लें। प्रबंधन शिक्षा आपको जीवन के तीन पहलुओं के लिए तैयार करती है।

आजीवन शिक्षा ग्रहण करें

डालमिया भारत लिमिटेड के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने छात्रों को आजीवन शिक्षा ग्रहण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन के उतार-चढ़ावों और चुनौतियों का सामना करते समय, अनंत समय की भारतीय मूल्यों को अपनी मार्गदर्शिका बनाए रखें। जैसे ही आप यहां से बाहर कदम रखेंगे तो उत्कृष्टता की विरासत भी लेकर जाएंगे।

उपलब्धियों को साझा किया

आइआइएम के निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी ने पिछले शैक्षिक वर्ष में आइआइएम रायपुर की उपलब्धियों को साझा किया, जो कि इसके अस्तित्व के चौदह साल का परिचय देती है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में निवेशों के रिटर्न पर जोर दिया। उन्होंने चुनौतियों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मिला स्वर्ण पदक, बताया सफलता का मंत्र

डिग्री के लिए पढ़ाई नहीं की : तन्वी

इंदौर की तन्वी बागोरा को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। तन्वी सपरिवार दीक्षा समारोह में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने चर्चा में कहा कि आइआइएम में जब एडमिशन लिया तो सिर्फ डिग्री के लिए नहीं, बल्कि समाजहित में कुछ करने के इरादे से। आज यह सपना पूरा हो रहा है। हालांकि अब पढ़ाई के साथ समाज सेवा करनी है।

बिजनेस में आगे बढ़ाएंगे हाथ : रेवंत

मुंबई के रहने वाले रेवंत मधुर अग्रवाल ने पीजीपी अध्यक्ष का पदक प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि पिता का मुंबई में बिजनेस है। अभी धीरे-धीरे इस बिजनेस को आगे बढ़ाना है। पढ़ाई के लिए माता-पिता ने कभी नहीं रोका।

मन से की पढ़ाई, मिली सफलता : अर्जुन

लखनऊ के अर्जुन वासिल ने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए पदक प्राप्त किया है। उन्होंने अपना सक्सेस मंत्र बताते हुए कहा कि पढ़ाई मन से करने से सफलता मिलती है। उन्होंने बताया कि जीवन में नौकरी पाने के लिए पढ़ाई नहीं की, बल्कि समाज में कुछ करने के लिए इरादे की है।

पढ़ाई धैर्य से करें : प्राची दीक्षित

कार्यकारी पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (ईपीजीपी बी2) में प्राची दीक्षित ने अपनी सफलता का राज बताते हुए कहा कि पढ़ाई से करनी चाहिए। पढ़ाई के लिए कभी न सोचें कि दूसरे मेरे से अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। इसके लिए लक्ष्य बनाकर मंजिल प्राप्त करें। अभी मुंबई में नौकरी कर रही हूं।

54 की उम्र में मिला स्वर्ण पदक : नागेश

नागेश मढ़वाल ने 54 साल की उम्र में ईपीजीपी अध्यक्ष का स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। वे सिंगापुर में डेल कंपनी में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि जीवन में पढ़ाई को लेकर कभी उम्र को बाधा नहीं बनने दिया। इस कारण जीवन में एक और डिग्री प्राप्त की। इस दौरान वे बहुत ही खुश नजर आए।

अव्यवस्था के बीच दीक्षा समारोह

इधर दीक्षा समारोह में अव्यवस्था भी नजर आई। छात्रों को अतिथि डिग्री देते रहे तो आधे से अधिक छात्र-छात्राएं और उनके स्वजन कैंपस से बाहर आकर सेल्फी लेने में मदमस्त नजर आए। इस दौरान प्रोफेसर बार-बार छात्रों को बैठने को कहते रहे। कुछ देर के बाद सभी छात्र-छात्राएं बैठे। इस बीच अतिथियों का भाषण के बीच स्टूडेंट्स एक-दूसरे से बातचीत करते रहे।

Nai Duniya, 11th April 2024, P.I, (Naiduniya City)_page-0001